

Rराज्य Aअधिवक्ता Sसंघ

(आपराधिक एवं सामाजिक न्याय हेतु)



मांग-पत्र

राज्य अधिवक्ताओं का मांग-पत्र

राजस्थान के प्रेक्टिसिंग अधिवक्ताओं की ओर से कुछ महत्वपूर्ण मांगें, जो कि बहुत समय से लंबित हैं, आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं, इन मांगों के पूर्ण होने पर ही वकालत के कार्य को ओर अधिक प्रभावी एवं समर्पित रूप से करने में सहूलियत होगी।

कानूनी सुरक्षा और सम्मान -

- * **अधिवक्ता प्रोटेक्शन बिल** - अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु अधिवक्ता प्रोटेक्शन बिल को तुरन्त प्रभाव से लागू किया जावे जिससे अधिवक्ता बिना किसी भय के अपना कार्य कर सकें।
- * **टोल टैक्स से छूट** - न्यायिक कार्य की महत्ता को देखते हुये अधिवक्ताओं को टोल टैक्स से छूट देना सरकार का कर्तव्य है क्योंकि अधिवक्ता रोजाना अपने कर्तव्य के निर्वहन के लिये विभिन्न कोर्टों व कानूनी स्थानों पर जाते हैं व अधिवक्ताओं पर टोल टैक्स का अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ता है। इससे छुटकारा दिलाया जावे।
- * **नगर निगम पार्किंग किराया वसूली से छूट** - अधिवक्ताओं को विविध कानूनी कार्यों हेतु विभिन्न स्थानों पर जाना होता है तथा कई बार तो एक स्थान पर भी दिन में दो या तीन बार जाना पड़ता है इस परिस्थिति में नगर निगम के पार्किंग स्थानों पर किराया देना पड़ता है। अधिवक्ताओं को नगर निगम पार्किंग किराये से पूर्ण छूट प्रदान की जावे।
- * **ऑफिसर ऑफ द कोर्ट** - सभी अधिवक्ताओं को विधिवत रूप से एडवोकेट एक्ट के अनुसार ऑफिसर ऑफ द कोर्ट की उपाधि से अलंकृत किया है अतः इस हेतु सरकार गृह विभाग व अन्य सभी राज्य सरकार के विभागों को आवश्यक आदेश पारित करें। तथा अधिवक्ता को इसी रूप में व्यवहार करें।
- * **कार्य स्थल पर सुरक्षा** - अधिवक्ताओं के लिये कोर्ट परिसर में सुरक्षित और अनुकूल कार्य वातावरण सुनिश्चित करें।

आर्थिक सहायता और बीमा -

- * **स्वास्थ्य बीमा** - राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं और उनके परिवारों के लिए व्यापक स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरूआत की जाये।
- * **जीवन बीमा** - राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के लिए रियायती दरों पर जीवन बीमा योजनाएं लागू कराने में सरकार मदद करें।
- * **वित्तीय सहायता** - राज्य सरकार द्वारा युवा और नए अधिवक्ताओं के लिए शुरूवाती समय में आर्थिक सहायता या रियायती लोन सुविधाएं प्रदान करने हेतु वित्तीय संस्थाओं को बाध्य करें।

पेंशन व सेवानिवृत्ति सुविधाएँ :-

- * **पेंशन योजना** - राज्य सरकार द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए एक व्यापक पेंशन योजना चालु की जाये।
- * **सेवानिवृत्ति लाभ** - राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं को सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा देने वाली योजनाएं उपलब्ध कराई जाये।

अन्य लाभ व सुविधाएँ :-

- * **यात्रा भत्ता** - राज्य सरकार द्वारा न्याययिक कार्य के लिए यात्रा करने वाले अधिवक्ताओं को सरकार यात्रा भत्ता प्रदान किया जाये। अथवा सरकारी बस सेवा में यात्रा में शुल्क छूट दी जावे।
- * **अधिवक्ता कल्याण कोष** - राज्य सरकार द्वारा अपने स्तर पर आपातकालीन स्थिति में सहायता प्रदान करने के लिए एक कल्याण कोष की स्थापना की जाए।
- * **आवास सुविधा** - राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के लिए रियायती दरों पर खाली जमीन अथवा आवास सुविधा उपलब्ध करायी जाएं।

प्रोफेशनल डवलपमेंट और ट्रेनिंग -

- * **निरंतर कानूनी शिक्षा** - राज्य सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन सरकारी

सहायता से किया जावे जिसमें राज्य के विख्यात प्रोफेसरों की व्यवस्था तथा उनका मानदेय सरकार उठावें।

*** डिजीटल और ऑनलाइन संसाधन** - राज्य सरकार द्वारा कानूनी संसाधन और डिजिटल संसाधनों की मुफ्त या रियायती दरों पर उपलब्धता सुनिश्चित किया जाये। तथा वर्तमान में उपलब्ध पुस्तकालयों को दुरुस्त करवाया जावे। राज्य में उपलब्ध सरकारी पुस्तकालयों में अधिवक्ताओं के रजिस्ट्रेशन कार्ड के आधार पर प्रवेश की मान्यता मिलें तथा आवश्यक पुस्तकों की जरूरत होने पर पुस्तकालयों से उपलब्धता सुनिश्चित की जावें।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएँ -

*** अधिवक्ता हॉल और पुस्तकालय** - राज्य के हर जिले में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अधिवक्ता हॉल और कानूनी पुस्तकालय स्थापित किये जाये।

*** डिजिटल कोर्स** - ई-फाइलिंग और वर्चुअल कोर्ट हियरिंग्स जैसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाए। अधिवक्ताओं को इसका प्रशिक्षण भी दिया जाये

*** इंटरनेट सुविधा** - कोर्ट परिसरों में उच्च गति की इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराई जाए। तथा पुस्तकालयों आदि में उच्च क्षमता वाले वाई-फाई राउटर लगवाये जावें।

“राज्य अधिवक्ता संघ” राज्य सरकार से व सम्बन्धित सभी बार एसोसिएशन एवं राजस्थान बार काउंसिल से यह मांग करता है कि इन मांग-पत्र पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाये और शीघ्र ही इन मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाये जाएँ। इससे न केवल अधिवक्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। बल्कि न्याय प्रणाली में भी सुधार आएगा। **धन्यवाद। साभार**

